VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

*निर्धारित समय: **तीन** घंटे*
*Time Allowed: **Three** Hours*

टेस्ट कोड / Test Code : 3128

*अधिकतम अंक: **250***
*Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 00984013

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : RAJNISH PATEL

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
HINDI

निबंध
ESSAY

तारीख
Date
31/08/2024

केंद्र
Centre MUKHERJEE NAGAR DELHI.

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे	**टेस्ट कोड : 3128**	अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours	**Test Code : 3128**	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

खंड A और B प्रत्येक से **एक-एक** विषय चुनकर **दो** निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।

The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।

Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।

We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।

The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।

It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।

To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।

We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।

A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।

The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।

Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।

We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।

The will of the people cannot make just that which is unjust.

• विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा

(The world must learn to work together, or finally it will not work at all)

सात महाद्वीपों, पाँच महासागरों, हजारों सरिताओं, सैकड़ों पहाड़ों से विभाजित 6 अरब से अधिक मनुष्यों को

VisionIAS

पुनः पैंजिया और पैंथालासा की संरचना में संबद्ध करना शायद संभव नहीं है। हजारों वर्षों की अंतर्क्रिया से निर्मित राष्ट्रीयता की उन रेखाओं को मिटाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जो हम कर सकते हैं वह है सामूहिक प्रयास, हम निर्मित कर सकते हैं अपने प्रयत्नों की एक मानव श्रृंखला, अपने भगीरथ प्रयासों से हम धुंधला कर सकते हैं मानचित्र पर चटक रंग से खींची गई विभाजन की हर लकीर को। हम साथ आए तो सागर से उठने वाली सुनामी के लिए दीवार बन सकते हैं, पहाड़ों में उठने वाली हलचल को शांत कर सकते हैं, सूर्य के बढ़ते ताप को ठंडा कर सकते हैं, हितों के टकराहट से मचने वाले कोलाहल को बदल सकते हैं- स्थायी शांति में। मानव सभ्यता के स्तंभ पुरुषों ने भी इसी की प्रेरणा भी दी है-

" उदारचरितानाम तु वसुधैव कुटुम्बकम् ।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आगे बढ़ने से पहले 'विश्व' की संकल्पना पर थोड़ा दृष्टिपात करते हैं। निरंतर परिवर्तनशील रहने के बाद भी इसकी कुछ स्थायी विशेषताएँ हैं। यह बनती है विविध रूपों, रंगों के मनुष्यों, जीवों, पेड़-पौधों और भौगोलिक वास्तविकताओं से। यह साथ आती है साझा मूल्यों, साझा उद्देश्यों, साझा चुनौतियों के संदर्भ में एवं विभाजित होती है राष्ट्र, धर्म, भाषा, आदि के आधार पर।

निरंतर परिवर्तनशील विश्व की वर्तमान दशा पर बात करें तो यह लगभग २०० देशों में विभाजित है लेकिन साथ ही साथ कुछ साझी चुनौतियों का भी सामना कर रही है। एक-एक करके हम उन्हीं चुनौतियों को पहचानने का प्रयास करते हैं

VisionIAS

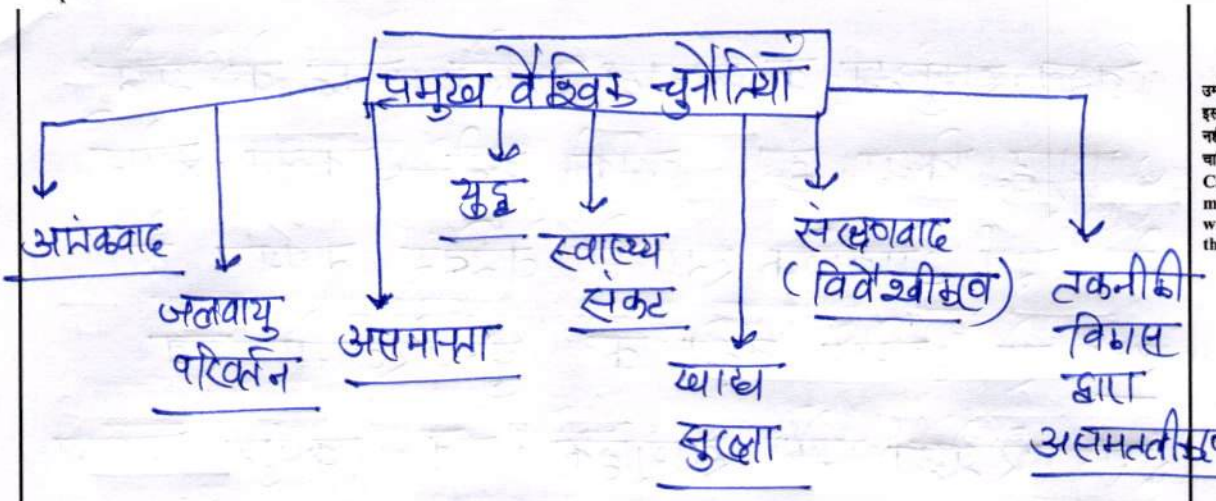

प्रमुख वैश्विक चुनौतियाँ

- आतंकवाद
- जलवायु परिवर्तन
- असमानता
- युद्ध
- स्वास्थ्य संकट
- खाद्य सुरक्षा
- संरक्षणवाद (विवैश्वीकरण)
- तकनीकी विकास द्वारा असमतलीकरण

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आतंकवाद को हम तब एक वैश्विक चुनौती मानने को तैयार नहीं थे जबतक 9/11 का वह भयावह दृश्य पूरी दुनिया ने नहीं देखा था उसके बाद से ISIS, लश्कर-ए-तैयबा, बोको हराम आदि के विरुद्ध हम छिटपुट जंग तो लड़ते रहे लेकिन साथ आकर दृढ़संकल्पित प्रयास आज तक नहीं कर सके हैं। भारत द्वारा प्रस्तावित और अभी तक लंबित 'आतंकवाद के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन' इसका एक उदाहरण है।

जलवायु परिवर्तन की बात करें तो जलवायु परिवर्तन पर अंतरसरकारी पैनल (IPCC) ने अपनी आधा दर्जन से अधिक रिपोर्ट्स में

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विश्व समुदाय के समक्ष उभरते संकट के प्रति आगाह किया है। इसकी छठी आकलन रिपोर्ट ने पूर्व औद्योगिक स्तर से वैश्विक तापमान के 2°C से अधिक बढ़ने के दुष्परिणामों एवं इस परिप्रेक्ष्य में सामूहिक एवं एकजुट प्रयास की आवश्यकताओं को रेखांकित किया है। कुल मिलाकर सार यही है कि —

"मानवता का भविष्य या तो हरा होगा या होगा ही नहीं।"

वैश्विक समुदाय की उन्नति हेतु आपसी व्यापार एवं संसाधनों आदि का स्थानांतरण होते रहना जरूरी है। वैश्वीकरण के दौर की शुरुआत के बाद 'द डेथ आफ डिस्टेंस' 'डाइल्यूशन ऑफ बाउंडरीज' जैसी किताबें ने एक अंतर्संबद्ध विश्व की घोषणा कर दी थी लेकिन हाल के वर्षों में 'वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला' की चरमराहट

तकनीक की भू-राजनीति, बढ़ते संरक्षणवाद ने हमें फिर से पीछे धकेल दिया है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विश्व में असमानता की व्याप्ति ने एक नए एवं कृत्रिम विभाजन का निर्माण किया है। समस्त विश्व की पहचान अब प्रथम विश्व (First world), द्वितीय विश्व (Second world) एवं तृतीय विश्व (Third world) के रूप में होने लगी है। सबके अपने हित एवं मुद्दे भी बन गए हैं। ऑक्सफैम जैसी रिपोर्ट्स इसमें और वृद्धि की तरफ ही इशारा कर रही हैं।

युद्ध जैसी स्थिति ने खाद्य सुरक्षा का वित्त सुरक्षा और जीवन सुरक्षा का संकट उत्पन्न किया तो वहीं COVID-19 जैसे वैश्विक महामारी ने पुनः समस्त विश्व के एक साथ आने की आवश्यकता को पुष्ट किया।

अभी तक हमने चुनौतियों की बात की और विभाजित एवं विखंडित प्रयासों की

VisionIAS

असफलता की चर्चा की अब हम देखेंगे कि 'एकसाथ मिलकर कार्य करने से' क्या कुछ अलग हो सकता है? शुरुआत मानव विकास से करते हैं। यदि सभी राष्ट्र एक साथ प्रतिबद्ध होकर एक समन्वित प्रयास करें, एक दूसरे का सहयोग समर्थन करना सीखें, प्रगति को आकलित करें तो गरीबी, पोषण आदि की दिशा में अलग परिणाम दिखेंगे। SDG's की संकल्पना इसी सिद्धांत पर आधारित भी है।

जलवायु परिवर्तन, असमानता, तकनीक एवं वित्त के हस्तांतरण आदि हेतु साझा प्रयास ही सफलता दिला सकते हैं। एक देश कार्बन उत्सर्जन करता रहे तो दूसरे के सभी हरित प्रयास व्यर्थ हैं। इसी को दृष्टिगत रख UNFCC, पेरिस समिट

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

आदि का विकास हुआ हालांकि अभी भी बहुत कुछ 'सीखना' अभी भी बाकी है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वास्थ्य संकट के संदर्भ में WHO ने 'वन हेल्थ दृष्टिकोण' को प्रस्तावित किया है। यह भी साथ मिलकर एकीकृत प्रयास पर ही बल देता है। पोलियो का संकट तब तक विश्व संकट है जब तक यह सभी देशों से समाप्त नहीं होता है।

अब हम उन कुछ प्रयासों की चर्चा करते हैं जहां विश्व के एक साथ आने का सकारात्मक परिणाम दिखा है। WTO की स्थापना ने एक ही देश में सबकुछ निर्मित करने की बजाय विश्व भर में आपूर्ति श्रृंखला का विस्तार किया। चीन ने मोबाइल के पार्ट्स बनाना सीखा तो अमेरिका ने मार्केटिंग सीखी, कस्टयुमर एवं सॉफ्टवेयर सेवाएं भारत ने दी और इसी तरह साथ

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

काम करने से विश्व व्यापार तेजी से बढ़ा जो अब फिर से संकटग्रस्त हो चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना इसके पंच तले UNSC, शांति सेना, विश्व बैंक, IMF आदि के एक विस्तृत तंत्र ने समस्त मानव जाति को साझा प्रयासों एवं साझा समृद्धि के अनुभव से अवगत कराया।

इतना ही नहीं जब वैश्विक समुदाय ने कला, साहित्य, स्थापत्य, संगीत आदि क्षेत्रों में एक दूसरे से सीखकर काम किया तो उससे निर्मित रचनात्मक ऊर्जा से समस्त विश्व आनंदित हुआ। भरत के नाट्यशास्त्र को भरतमुनि की संकल्पना से मिलाकर मौलिक विधान बना। यूनानियों से होते हुए अरबों ने; अरबों से

VisionIAS

भारतीयों ने साथ मिलकर ऊँचे ऊँचे गुंबद बनाना सीखा। संख्या पद्धति से लेकर तकनीकी प्रगति सब कुछ सामूहिक प्रयासों से ही तो संभव हुई है।

अगली चर्चा उस बिंदु पर करते हैं कि यदि साथ नहीं आए तब क्या होगा? तब डूबने लगेंगे कुछ द्वीप और उनको देखते देखते अंतत: हम भी समा जाएंगे महासागरों की गर्तों में। हमारा सामर्थ्य समर्पित हो जाएगा आतंकवाद के चरणों में। कहीं अति दोहन होगा तो कहीं दुष्टता की व्याप्ति रहेगी और हम अपने हितों की पूर्ति में एक दूसरे से लड़ते भिड़ते रहेंगे क्योंकि हम सब एक जैसे नहीं होंगे —

" जब तक मनुज मनुज का दुःख भाग न सम होगा
शमित न होगा कोलाहल संघर्ष न कम होगा।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin
VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अंतिम प्रश्न है कि विश्व एकसाथ काम करना सीखे कैसे? हमारे सभ्यतागत अनुभव, हमारे अच्छे प्रयास आदि इस दिशा में मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं। हमें जरूरत है साझा मूल्यों के विकास की, तय किए जाने चाहिए साझा लक्ष्य, साझा होने चाहिए भौतिक, मानव एवं तकनीकी संसाधन, निर्मित करने होंगे सूत्रधार की भूमिका निभाने वाले नए मंच एवं संस्थान, करना होगा वैचारिकी का उदात्तीकरण, श्रेष्ठता एवं हीनता के भाव से परे मानव मात्र की एकता को रखना होगा सर्वोपरि। इन सब को करने का एक ठोस प्रयास भारत के नेतृत्व में आयोजित G-20 में दिखा जहाँ केंद्र में था वसुधैव कुटुम्बकम् एवं

VisionIAS

उद्घोष था 'वन वर्ल्ड, वन अर्थ, वन फ्यूचर' का।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

VisionIAS

"एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।"

"जो बिछुड़े हैं प्यारे से दर बदर भटकते फिरते
हमारा यार है हममें हमन को इंतजारी क्या।"

उपर्युक्त पंक्तियाँ हैं अपने मन के मालिक, बेफ़िक्र मस्ती के लिए विख्यात, अपने 'स्व' (self) से कभी समझौता

करने की बजाय दुनिया को साफ़ फूँककर चल देने वाले कबीरदास की। उन्हें नाथपंथियों ने साधू बनाना चाहा, ज्ञानमार्गियों ने 'ज्ञानी' बनने की प्रेरणा दी, वैष्णव वेदांतियों ने सगुणोपासक होने को कहा लेकिन कबीर तो थे कबीर। उन्होंने इनमें से किसी पहचान को धारित करने की बजाय 'स्वत्व' को सर्वोपरि रखते हुए घोषणा की कि- 'मैं वह नहीं बन सकता जो तुम बनाना चाह रहे हो। मैं तो अपनी नजरों में 'राम का कुत्ता' हूँ और वही रहूँगा -

"मैं तो कुत्ता राम का मुतियाँ मेरा नाऊँ।"

कबीर की स्वत्व और अपनी प्रवृत्ति को रक्षित करते रहने की ही 'उपलब्धि' है कि हजारों साल के इतिहास में एक प्रमुख समाज सुधारक के रूप में वे स्थापित हो सके।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

एक बच्चे के जन्म से ही दुनिया उसे ढालने का प्रयास करने लगती है। उसमें से कुछ तो स्वाभाविक एवं अपेक्षित होता है जैसे हमारी शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं का विकास। धीरे-धीरे हमारी चेतना का विकास होता है, हम अपने विवेक से अपनी वैचारिकी निर्मित करते हैं। हम अपनी एक प्रवृत्ति एवं पहचान स्वयं निर्मित कर लेते हैं कई बार समाज से आकांक्षा होने पर हम इनकी थोड़ी बहुत पारिभाषिक अभिव्यक्ति भी करते हैं जैसे - मैं उदारवादी हूं, मैं समाजवादी हूं, मैं विनम्र हूं, मैं सहिष्णु हूं आदि।

जो हम हैं वह हम बने रहें तो कोई दिक्कत नहीं है लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारा अस्तित्व स्वतंत्र नहीं है, उस पर नियंत्रण है समाज का, उसके द्वारा ~~किये~~। निर्मित

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

व्यवस्था का, हम संचालित होते हैं कानून की मर्यादाओं में, हमारी भौतिक परिस्थितियाँ निर्धारित करती हैं हमारी मनः स्थिति को। किसी विद्वान ने ठीक ही कहा है कि—

"जनता की चित्तवृत्तियाँ बहुत कुछ सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों का परिणाम होती हैं।"

शुरुआत सांस्कृतिक कारक से करते हैं धर्म एक प्रमुख परिवर्तनकारी कारक है। वह सभी जीवों से आस्तिक होने की अपेक्षा रखता है। उसी आधार पर धार्मिक मर्यादाएँ एवं नैतिकताएँ आरोपित की जाती हैं। पाकिस्तान जैसे देश में थोड़ी सी बात पर 'ईशनिंदा' (Blasphemy) का मुकदमा हो सकता है और जान तक जा सकती है।

इसी तरह सामाजिक कारक भी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

हम पर नियंत्रण रखने का प्रयास करता है। समाज हमसे उसकी नैतिक व्यवस्था के अनुरूप होने की अपेक्षा रखता है जैसे उसके तार्किक-अतार्किक, नवीन-पुरातन, कानूनी-गैरकानूनी सभी मूल्यों एवं परंपराओं की अपेक्षा। उदाहरणार्थ:- भारतीय समाज में स्वजातीय विवाह का दबाव आज भी लगभग हर युवा पर तो रहता ही है।

राज्य भी हमें वैसा कहाँ रहने देना चाहता है जैसा हम रहना चाहते हैं। उसके संविधान, कानून, नियम और विनियम हमें लगातार नियंत्रित करने का प्रयास तो करते ही रहते हैं। अभी हाल ही में दीवाली पर पटाखों के प्रतिबंध ने न जाने कितने ही मनमौजियों को आहत किया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

अब आगे बात करते हैं कि स्वयं को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण क्यूं है? इसके पीछे अधोलिखित कारण उत्तरदायी हैं — सबसे पहला तो यही है कि सबमें उतना साहस नहीं होता है कि लंबे समय तक विरोध कर सकें। हर कोई रोजा पार्क्स, महात्मा गांधी रानी गोंडिन्ल्यू एवं मीराबाई नहीं हो सकता है। हर किसी के विरोध के बाद भी मीरा कहती हैं:-

"या घुघरू बांध मीरा नाची रे,
मैं तो अपने नारायण की आपहि दासी रे।
लोग कहें मीरा भई बावरी, न्यात कहें कुलनासी रे।"

दूसरा कारण हमारा अपना लालच भी हो सकता है, अगर हम अपनी प्रवृत्ति के ही रक्षक बने रहे तो समाज, राज्य, परिवेश के बहुत सारे लाभों को खो देंगे। उदाहरणार्थ :- हर कोई

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

अपने जड़ों से जुड़कर अपनों के बीच जीवनयापन करना चाहता है लेकिन विविध जरूरतें उसे प्रवासी बना देती हैं।

इसके अतिरिक्त द्वंद्व की उपस्थिति एवं 'स्व के प्रति सीमित समर्पण' भी एक कारक है जो हमें वह नहीं रहने देता है जो हम रहना चाहते हैं। कहीं पेट की सुक्षा होती है तो कहीं हृदय की आकांक्षाओं की पूर्ति। इसी द्वंद्व में बहुत से व्यक्ति समर्पण कर देते हैं—

"पिस गया वह भीतरी व
बाहरी पाटों के बीच
ऐसी ट्रेजिडी है नीच।"

अब आगे बात करते हैं उस पक्ष की कि यदि कोई स्वयं की पहचान को बनाए रखने में सफल रहता है तो वह उपलब्धि क्यों मानी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

जाए? वस्तुतः 'स्वयं (Self)' को रक्षित करने के संदर्भ में सबसे मजबूत तर्क अस्तित्ववादियों ने दिए हैं। कीर्केगार्द से लेकर जीन पॉल सार्त्र, काम्यू आदि ने महान उसी को माना जिसने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी—

"महान से महान व्यक्ति की महानता संदिग्ध रह जाती है यदि वह अपने कृत्यों को अपनी अंतरात्मा के समक्ष प्रमाणित नहीं कर सकता है।"

— कीर्केगार्द

वस्तुतः मनुष्य की अंतरात्मा एक होती है, उसकी एक साथ दो विरुद्ध स्थितियां नहीं हो सकती हैं। वह या तो मन मुताबिक चल सकता है या जग मुताबिक। जग मुताबिक चलने वाले आत्मनिर्वासन एवं क्षोभ

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

पाते हैं और मन मुताबिक चलने वाले शांति। महात्मा बुद्ध के जीवन से जोड़कर भी इसे समझा जा सकता है।

एक सवाल यह भी बनता है कि क्या हमेशा स्वयं को बनाए रखना उचित होता है? जवाब है- नहीं। स्वयं को तभी तक बनाए रखना चाहिए जब तक हमारा 'स्वयं' तर्क, विवेक, सदाचार, कानून आदि से सामान्यतः असंगत नहीं होता। हम स्वयं के संधान में 'स्वेच्छाचारी' नहीं बन सकते हैं। 'रावण' होने और 'राम' बनने का अंतर इसी स्वेच्छाचार का अंतर है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

सार यही है कि चुनौतीपूर्ण होने पर भी हमें अपने 'स्व' की लड़ाई तब तक लड़नी चाहिए जब तक यह अतार्किक एवं असंगिक न लगने लगे।

अपने 'स्व' की रक्षा में चुनौतियाँ एवं कष्ट भी बहुत हैं लेकिन उसके क्षण की 'उपलब्धि', 'आनंद' एवं 'संतोष' कहीं अधिक है। स्व से समझौता करने वाले कालिदास से आजतक लोग सवाल पूछते रहते हैं :-

"अमल धवल गिरि के शिखरों पर,
प्रियवर तुम कब तक सोए थे।
कालिदास सच-सच बतलाना,
रोया यक्ष कि तुम रोए थे।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

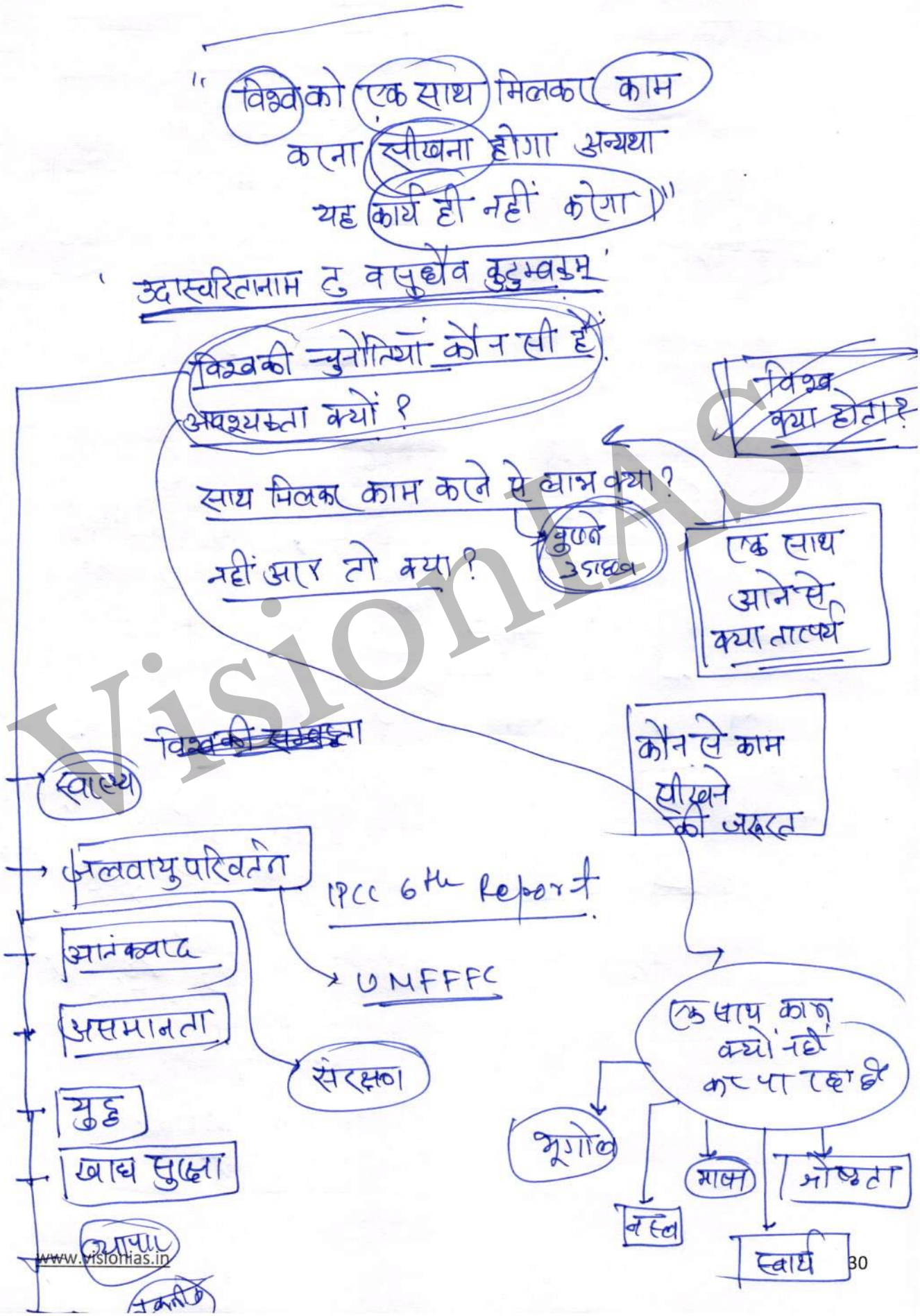

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

सात महाद्वीपों
पाँच महासागरों
हजारों द्वीपों
सैकड़ों पर्वतों से
विभाजित ~~सर्व विश्व को~~
6 अरब नागरिकों को
पुनः पिरोया एवं मे [illegible]
की संरचना में संबद्ध करने की कल्पना
शायद हम कर सकते। हजारों वर्षों की
अंतर्क्रिया से निर्मित उन सीमाओं को भी मिटाने की
[illegible] कर भी शायद ~~[illegible]~~
~~महाद्वीपों को [illegible]~~ सकते हैं। अपने प्रयासों की
[illegible] निर्मित कर सकते हैं
एक मानव श्रृंखला जो किसी महासागर से
नियंत्रित नहीं होती। हम ~~[illegible]~~ एक
साथ मिलकर महासागर से उठने वाली सुनामी के
लिए दीवार बन सकते हैं। पहाड़ों में उठने वाली
हलचल। को शांत कर सकते हैं।
[illegible] ऊँच-नीच
सूर्य के ताप को ठंडा कर सकते हैं।
मानव की महिमा को
अक्षुण्ण रख सकते हैं। और यह
प्रेरणा हमें हमारे पूर्वज भी देते आए
हैं

कर सकते हैं
एक सामूहिक
प्रयास
कर सकते हैं
एक

VisionIAS

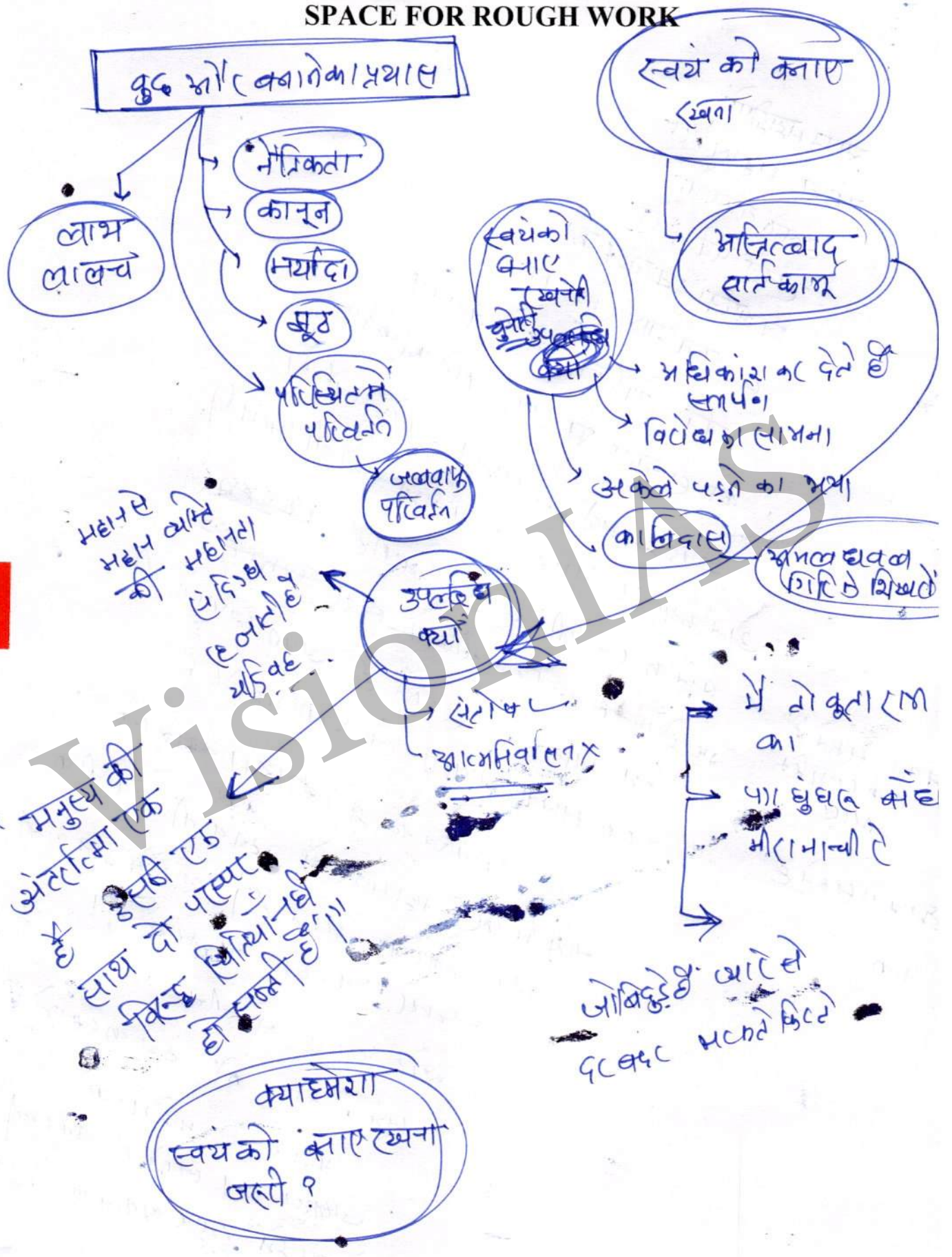

AL
VisionIAS